# मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस का प्रकोप

## चर्चा में क्यों?

**केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW)** के अनुसार, वर्ष 2019 से मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस (JE) संक्रमण के बाद आठ लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

## प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों में वृद्धि के कारण स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है, क्योंकि इससे **जन-स्वास्थ्य को सीधा खतरा** हो रहा है।
    - पहले वर्ष 2024 में **मध्य प्रदेश के 29 ज़िलों** में जापानी इंसेफेलाइटिस की पहचान की गई थी।

## जापानी इंसेफेलाइटिस

- **परिचय:**
    - **जापानी इंसेफेलाइटिस (JE)** एक **वायरल संक्रमण** है जो मस्तिष्क में जलन पैदा कर सकता है।
        - यह फ्लेविवायरस के कारण होने वाली एक बीमारी है, जो डेंगू, पीत ज्वर **और** वेस्ट नाइल वायरस के **समान जीनस से संबंधित** है।
    - जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस (JEV) भी भारत में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (AES) का एक प्रमुख कारण है।
- **संचरण:**
    - यह रोग **क्यूलेक्स प्रजाति** के **संक्रमित मच्छरों** के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
    - ये मच्छर मुख्य रूप से **धान के खेतों** और **जलीय वनस्पतियों** से भरपूर बड़े जल निकायों में प्रजनन करते हैं।
- **उपचार:**
    - जापानी इंसेफेलाइटिस के **रोगियों के लिये कोई एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं है**
        - मौजूद उपचार लक्षणों से छुटकारा पाने और रोगी को स्थिरता प्रदान करने में सहायक है।
- **निवारण:**
    - इस बीमारी को रोकने के लिये **सुरक्षित और प्रभावी जापानी इंसेफेलाइटिस (JE) टीके** उपलब्ध हैं।
    - **JE टीकाकरण** भारत सरकार के **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम** के तहत भी शामिल है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/japanese-encephalitis-outbreak-in-madhya-pradesh